आईआईपी में माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

(दिनांक 31 अगस्त, 2024)

जय हिन्द!

मंच पर उपस्थित आदरणीय उप राष्ट्रपति जी, डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़ जी, संस्थान के निदेशक डॉ. एच. एस. बिष्ट जी और यहां पर उपस्थित प्रबुद्ध वैज्ञानिकों और शोधार्थियों।

मुझे आज भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून के इस गरिमामयी मंच पर आप सभी के बीच आकर अत्यंत खुशी हो रही है।

सबसे पहले मैं देवभूमि उत्तराखंड में माननीय उप राष्टपति जी और डॉ. श्रीमती सुदेश धनखड़ जी का स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ। माननीय उप राष्ट्रपति जी का स्नेह और आशीर्वाद हमें निरंतर मिलता रहता है, जिसके लिए हम उनके आभारी हैं।

साथियों,

यह हम सभी के लिए बेहद गर्व का विषय है कि भारतीय पेट्रोलियम संस्थान न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज का यह अवसर हमारे वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, और भविष्य के वैज्ञानिकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने का है, जो हमारे देश की

ऊर्जा सुरक्षा और आत्म निर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं, आज का युग साइंस और टेक्नोलॉजी का युग है। किसी भी देश की प्रगति और विकास में रिसर्च और इनोवेशन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खासकर जब हम ऊर्जा के क्षेत्र की बात करते हैं, तो यह क्षेत्र न केवल आर्थिक विकास से जुड़ा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और पी पर्यावरणीय संतुलन से भी सीधे संबंधित है। इसलिए, मैं आप सभी वैज्ञानिकों और शोधार्थियों से अपील करता हूँ कि आप अपने रिसर्च और इनोवेशन को इस दृष्टिकोण से करें, कि वे हमारे देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक हों।

साथियों,

भारत जैसे विकासशील देश के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है। हमारी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा तेल और गैस के आयात पर निर्भर करता है, और यह स्थिति न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सामरिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। आपके रिसर्च और इनोवेशन हमें इस स्थिति से बाहर निकलने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बना सकते हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप अपने कार्य में नवीनतम तकनीकों और पद्धतियों का उपयोग करें ताकि हम ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ सकें।

आज हम एक ऐसे दौर में हैं जहां ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के अलावा, नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर, पवन, बायोमास, और हाइड्रोजन ऊर्जा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इन क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास की बहुत संभावनाएं हैं, मुझे पूरा विश्वास है कि आप जैसे प्रतिभाशाली वैज्ञानिक और रिसर्चर्स इन नवाचारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह आपका कर्तव्य है कि आप भविष्य की इन ऊर्जा चुनौतियों के समाधान के लिए न केवल नवीनतम तकनीकों का विकास करें बल्कि उन्हें पर्यावरण के अनुकूल और किफायती भी बनाएं।

साथियों,

आप सभी की मेहनत की बदौलत इस प्रतिष्ठित संस्थान ने अनेकों उपलब्धियों हासिल की है। मुझे बताया गया है कि संस्थान के सहयोग से एटीएफ की पहली वाणिज्यिक इकाई जल्द ही एमआरपीएल, मंगलुरू में प्रारम्भ हो जाएगी। इसके अलावा, संसद भवन में सामान्य तापमान बायोडीजल इकाई के प्रचालन का कार्य प्रगति पर है।

सीएसआईआर–आईआईपी भारतीय वायुसेना को एसएएफ की लगातार आपूर्ति कर रहा है। भारतीय वायु सेना के विमान अब 10 प्रतिशत सीएसआईआर–आईआईपी द्वारा निर्मित ईंधन का उपयोग करने के लिए प्रमाणित हैं।

कोविड–19 महामारी के दौरान राष्ट्र की सेवा में उल्लेखनीय योगदान की लिए मैं आईआईपी टीम की सराहना करता हूँ। इस पेट्रोलियम–अनुसंधान प्रयोगशाला ने जून 2020 में रिकॉर्ड 7 सप्ताह के भीतर उत्तराखंड की दूसरी कोविड–परीक्षण सुविधा स्थापित की और 2021 में दूसरी लहर की शुरुआत के 6 महीनों के भीतर 14 राज्यों के लिए 108 मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट वितरित किए। यह उपलब्धियां आप सभी के अथक प्रयासों और परिश्रम का नतीजा है जिस पर हमें गर्व की अनुभूति होती है।

मैं हमारे वैज्ञानिकों की सराहना करना चाहूंगा जिन्होंने इस संस्थान के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपके प्रयासों ने भारत को ऊर्जा अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई पहचान दी है। आप सभी का काम न केवल हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी प्रेरणा है।

आप में से कई लोग विभिन्न चुनौतियों के बावजूद अत्याधुनिक तकनीकों के विकास में लगे हुए हैं। आपके द्वारा किए गए कार्यों से ही हमारे देश का भविष्य सुरक्षित है। मैं आपके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि आप इसी समर्पण और लगन के साथ आगे भी काम करते रहेंगे।

मैं संस्थान के शोधार्थियों से कहना चाहूंगा कि आपके पास असीमित क्षमता है, जिसे आप अपनी मेहनत और समर्पण से निखार सकते हैं। मैं आपसे कहना चाहूँगा कि आप अपने ज्ञान को सीमित न रखें। अपनी शिक्षा के दौरान जो

भी सीखें, उसे प्रेक्टिकल रूप में बदलने का प्रयास करें। आज आप जिस विज्ञान का अध्ययन कर रहे हैं, वह आने वाले कल की सच्चाई होगी। इसलिए, अपनी सोच को खुला रखें, नए विचारों के लिए हमेशा तैयार रहें।

अंत में, मैं आप सभी से एक अपील करना चाहूँगा। हमेशा याद रखें कि आपका काम न केवल आपके लिए, बल्कि समाज और देश के लिए भी है। जब आप नई खोजों और आविष्कारों में जुटे रहें, तो यह सुनिश्चित करें कि वे हमारे देश की जनता के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक हों। आपके शोध का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान का उपयोग करके समाज के विकास में योगदान देना भी होना चाहिए।

आप सभी को अपने भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ। आप सभी की मेहनत और लगन से ही हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा ऐसा मेरा मानना है।

एक बार पुनः माननीय उप राष्ट्रपति जी का और डॉ. (श्रीमती) सुदेश धनखड़ जी का आभार व्यक्त करते हुए आप सभी का धन्यवाद करता हूँ।

जय हिन्द!